ब्रेकथ्रू ने नाटक,खेल और फिल्म से की मुद्दे की बात
शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दे पर जागरुक करने के लिए वीडियो वैन रवाना

लखनऊ/गोसाईगंज,3 अप्रैल 2017, जिस देश की 65 फीसदी आबादी युवा है,जिसमें से 22 फीसदी संख्या किशोरियों की हो तो जरूरी हो जाता है कि हम उनको साथ लेकर चलें और यह सुनिश्चित करें कि उनको उनके अधिकारों के साथ ही बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा भी मिल सके।समुदाय को किशोर-किशोरियों से जुड़े इन्ही मुद्दों को लेकर सोमवार कोमानवाधिकार और महिला मुद्दो पर काम करने वाली स्वंयसेवी संस्था ब्रेकथ्रू ने के ग्राम चुरहिया(प्राथमिक स्कूल के पास)से वीडियो वैन का सफर शुरू किया,जिसको हरी झंडी दिखा कर बतौर मुख्य अतिथि मौजूद गोसाईगंज ब्लाक प्रमुख डा.नरेन्द्र कुमार ने रवाना किया।यह वीडियो वैन दस दिनों तक गोसाईगंज के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर किशोर-किशोरियों के शिक्षा व स्वास्थ्य के मुद्दे पर समुदाय को जागरुक करेगी।इस अवसर पर अन्य अतिथियों के रूप में ग्राम प्रधान चुरहिया, मोहन,चुरहिया ग्राम पंचायत के सचिव रमेश चंद्र मौर्य,प्राथमिक विद्यालय की हेड टीचर शर्मा मौजूद रहीं।

इस अवसर पर ब्रेकथ्रू की वरिष्ठ जिला समन्वयक अर्चना सिंह ने कहा कि देश में शिक्षा और स्वास्थ्य दो ऐसे मुद्दे हैं जिस पर अभी और काम करने की जरूरत है।देखने में आया है कि अकसर हम लड़कों की शिक्षा के प्रति जागरुक रहते हैं लेकिन अपनी लड़कियों को शिक्षा/उच्च शिक्षा नही देते हैं।इसके पीछे तर्क दिया जाता है कि बेटियां पराए घर की अमानत हैं या कौन उनको सुरक्षित स्कूल ले जाएगा,यानी कौन जिम्मेदारी ले इसलिए देखने में आता है कि कम उम्र में उनकी शादी कर दी जाती है।जिसकी वजह से उनको तमाम तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है,कम उम्र में मां बनने की वजह से कई बार उनकी जान तक चली जाती है।

उन्होंने कहा कि यह वीडियो वैन इन मुद्दों पर जागरुक करने के लिए ही चलाई जा रही है,हमारा मानना है कि हमारे किशोर-किशोरियों को अगर बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य मिले तो हमारे देश,समाज को नई उंचाई पर ले जा सकते हैं,बस आप हमारा साथ दें।

मुख्य अतिथि डा. नरेन्द्र कुमार ने कहा कि ब्रेकथ्रू का प्रयास सराहनीय है। तमाम प्रयासों के बाद भी आज भी इस दिशा में अभी और आगे का सफर तय करना बाकी है। हम सब को इस मुद्दे पर साथ मिलकर काम करने की जरूरत है।ब्रेकथ्रू ने अपने प्रयासों से जो लौ जलाई है उसे हम सब मिल कर रौशन करेगें और अपने क्षेत्र को इस दिशा में और बेहतर बनाएंगें।

ब्रेकथ्रू के समन्वय मनीष बहल ने कहा कि ब्रेकथ्रू लंबे समय से महिलाओं के मुद्दे पर काम कर रहा है।जिसमें यह निकल कर आया कि अगर हम समय से अपने किशोर-किशोरियों को बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा उपलब्ध कराएं तो हम समानता वाले समाज का निर्माण आसानी से कर सकते हैं जिसमें जाति,लिंग आदि के आधार पर भेदभाव न हो।

इस अवसर पर **'रश्मी मैट्रिक पास'** नाम की लघु फिल्म दिखाई गई साथ ही नाटक व खेल के माध्यम से समुदाय को किशोर किशोरियों के स्वास्थ, शिक्षा और बाल विवाह जैसे मुद्दे पर जागरुक किया गया।कार्यक्रम में काफी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ब्रेकथ्रूकेबारेमें -

ब्रेकथ्रूएकमानवाधिकारसंस्थाहैजोमहिलाओंऔरलड़कियोंकेखिलाफहोनेवालीहिंसाऔरभेदभावकोसमाप्तकरने केलिएकामकरतीहै।कला,मीडिया,लोकप्रियसंस्कृतिऔरसामुदायिकभागेदारीसेहमलोगोंकोएकऐसीदुनियाब नानेकेलिएप्रेरितकररहेहैं,जिसमेंहरकोईसम्मान,समानताऔरन्यायकेसाथरहसके।हममल्टीमीडियाअभियानों केमाध्यमसेमानवाधिकारसेजुडेंमुद्दोंकोमुख्यधारामेंलारहेहैं।इसेदेशभरकेसमुदायऔरव्यक्तियोंकेलिएप्रासंगिकब नारहेहैं।इसकेसाथहीहमयुवाओं,सरकारीअधिकारियोंऔरसामुदायिकसमूहोंकोप्रशिक्षणभीदेतेहैं,जिससेएकनई ब्रेकथ्रूजेनरेशनसामनेआएजोअपनेआस-पासकीदुनियामेंबदलावलासके।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें–

विनीत त्रिपाठी
ब्रेकथ्रू
09919967809